चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	21.3.24	5	1-5

अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को खाने व रहने की चिंता न हो, ऐसे भारत की परिकल्पना : प्रो. काम्बोज

हकृवि में द रोल ऑफ यूथ इन द विजन एंड मिशन ऑफ विकसित भारत 2047 विषय पर कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 20 मार्च (ब्यूरो): भारत को 2047 तक विकसित बनाना है तो अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को वे समस्त सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए, जिसकी उसे व उसके परिवार को जरूरत है। इसलिए युवा पीढ़ी को कौशल रूप से विकसित और राष्ट्रहित में काम करने के लिए आगे बढ़ने की आवश्यकता है। साथ ही उन्हें अच्छे संस्कारों को धारण करना चाहिए।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में द रोल ऑफ यूथ इन द विजन एंड मिशन ऑफ विकसित भारत 2047 विषय पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप मे भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय आयोजन सचिव सुरेश जैन उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि भारत को 2047 तक विकसित बनाने के संकल्प को साकार करने में देश के युवाओं की विशेष भूमिका रहेगी। इसके लिए उन्हें विचार करना होगा कि मैं कैसे देश को विकसित बनाने में अपनी भूमिका अदा कर सकता हूं, इसी सकारात्मक सोच व सही दिशा के साथ युवाओं को सोचने व कार्य करने की जरूरत है। साथ ही उसे शैक्षणिक विकास के साथ

कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

मानसिक व अध्यात्मिक रूप से भी मजबूत बनना होगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद जैसे महापुरुषों के प्रेरक प्रसंगों से सीख लेते हुए अध्यात्मिक ज्ञान से जुड़कर बदलते परिपेक्ष्य में अपनी जिम्मेदारियों का निष्पक्ष रूप से निर्वहन करें। मुख्यातिथि ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे विद्यार्थियों को सम्मानित कर प्रमाण-पत्र दिए व उनका हौसलावर्धन किया।

शोषणमुक्त व क्षमतायुक्त हो भारत : सुरेश जैन

मुख्य वक्ता भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय आयोजन सचिव सुरेश जैन ने बताया कि विकसित भारत बनाने का मकसद केवल उद्योगों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों का विस्तार करना नहीं है, अपितु समाज के प्रति संवेदनाएं व ममत्व जैसे गुणों को धारण करना भी है।

यदि युवाओं व नागरिकों में देश के प्रति ममत्व व संवेदनाएं नहीं होगी तब तक वे अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत को शोषणमुक्त व क्षमतायुक्त बनाना होगा। मुख्य वक्ता ने भारत को विकसित बनाने में महिलाओं की भागीदारी को भी अहम बताया।

प्रतियोगिताओं के परिणाम

- प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता : प्रथम स्थान पर राजकीय पी.जी. कॉलेज, हिसार के छात्र पंकज व रेनुका भारद्वाज, दूसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस माइक्रोबायलोजी के छात्र ए.प्रेमा शिवा नागा तेजा व रक्षा जैन और तीसरे स्थान पर राजकीय महिला महाविद्यालय, हिसार के छात्र पायल व पुनिता रहे।

भाषण प्रतियोगिता : पहले स्थान पर राजकीय महिला महाविद्यालय, हिसार की छात्रा अनु रही, जबकि दूसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, हिसार के छात्र प्रिंस व तनिषा और केएम कॉलेज, नरवाना की छात्रा ख्वाइश तीसरे स्थान पर रही।

- ऑन द स्पॉट प्रतियोगिता : पहले स्थान पर कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, हिसार के छात्र प्रिंस रहे, जबकि दूसरे स्थान पर राजकीय महिला महाविद्यालय, हिसार की छात्रा अनु व तीसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस, हिसार की छात्रा अशिका रही।

- निबंध प्रतियोगिता : पहले स्थान पर डी.एन. कॉलेज, हिसार के छात्र रजत सोनी रहे, जबकि दूसरे स्थान पर राजकीय महाविद्यालय, जींद के छात्र सचिन व तीसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस की छात्रा नेहा व कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर के छात्र जॉन्स टायर्डल रहे। इसी प्रकार स्कूली स्तर पर आयोजित उपरोक्त प्रतियोगिता में पहले स्थान पर जीजेएसएस, हिसार के छात्र दीपांशु रहे, जबकि दूसरे स्थान पर एम.एम. ब्राइट फ्यूचर स्कूल, गोरखपुर के छात्रा भव्या व तीसरे स्थान पर एम.एम. ब्राइट फ्यूचर स्कूल, गोरखपुर की छात्रा उर्मिला रही।

- विज्ञान प्रदर्शनी : ओ.डी.एम. हिसार की छात्राएं संजू, ज्योति, शीतल व शविना रही। दूसरे स्थान पर डी.पी.एस., हिसार के छात्र शिवम व अभय रहे। तीसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, एचएयू के छात्र दर्शन सिंह व अतिश रहे। इसके अलावा वेस्ट टू वेल्थ मॉडल कम्पीटिशन, पेंटिंग एंड ड्राइंग कम्पीटिशन, रंगोली प्रतियोगिता, स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के विजेता घोषित किए गए।

दैनिक भूमि	21.3.24	12	2-8

हकृवि में दी रोल ऑफ यूथ इन दा विजन एंड मिशन ऑफ विकसित भारत 2047 विषय पर कार्यक्रम आयोजित

अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को खाने व रहने की चिंता न हो, ऐसी भारत की परिकल्पना : प्रो. काम्बोज

युवाओं को आत्म-अवलोकन करने की आवश्यकता है ताकि वह देश को विकसित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सके।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज, मुख्य वक्ता भारित के राष्ट्रीय आयोजन सचिव सुरेश जैन।

भारत को 2047 तक विकसित बनाना है तो अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को वे समस्त सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए, जिसकी उसे व उसके परिवार को जरूरत है। इसलिए युवा पीढ़ी को कौशल रूप से विकसित और राष्ट्रहित में काम करने के लिए आगे बढ़ने की आवश्यकता है। साथ ही उन्हें अच्छे संस्कारों को धारण करना चाहिए। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने रखें। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में दी रोल ऑफ यूथ इन दा विजन एंड मिशन ऑफ विकसित भारत 2047 विषय पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप मे भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय आयोजन सचिव सुरेश जैन उपस्थित रहे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि भारत को 2047 तक विकसित बनाने के संकल्प को साकार करने में देश के युवाओं की विशेष भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि युवाओं को आत्म-अवलोकन करने की आवश्यकता है ताकि वह देश को विकसित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकें। मुख्यातिथि ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे विद्यार्थियों को सम्मानित कर प्रमाण-पत्र दिए व उनका हौंसलावर्धन किया।

ये रहे परिणाम

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता : प्रथम स्थान पर राजकीय पीजी कॉलेज, हिसार के छात्र पंकज व रेनुका भारद्वाज, दूसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस माइक्रोबायलोजी के छात्र ए.प्रेमा शिवा नागा तेजा व रक्षा जैन और तीसरे स्थान पर राजकीय महिला महाविद्यालय, हिसार के छात्र पायल व पूनिता रहे।

भाषण प्रतियोगिता: पहले स्थान पर राजकीय महिला महाविद्यालय, हिसार की छात्रा अन्नू रही, जबकि दूसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, हिसार के छात्र प्रिंस व तनिषा व कैएम कॉलेज, नरवाना की छात्रा ख्वाईश तीसरे स्थान पर रही।

ऑन दॉ स्पॉट प्रतियोगिता: पहले स्थान पर कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, हिसार के छात्र प्रिंस रहे, जबकि दूसरे स्थान पर राजकीय महिला महाविद्यालय, हिसार की छात्रा अन्नू व तीसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस, हिसार की छात्रा अशिका रही।

निबंध प्रतियोगिता : पहले स्थान पर डीएन कॉलेज, हिसार के छात्र रजत सोनी रहे, जबकि दूसरे स्थान पर राजकीय महाविद्यालय, जींद के छात्र सचिन व तीसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस की छात्रा नेहा व कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर के छात्र जॉन्स टायडल रहे। इसी प्रकार स्कूली स्तर पर आयोजित उपरोक्त प्रतियोगिता में पहले स्थान पर जीजेएसएस, हिसार के छात्र दीपांशु रहे, जबकि दूसरे स्थान पर एमएम ब्राइट फ्यूचर स्कूल, गोरखपुर के छात्रा भव्या व तीसरे स्थान पर एमएम ब्राइट फ्यूचर स्कूल, गोरखपुर की छात्रा उर्मिला रही।

वेस्ट टू वेल्थ मॉडल कम्पटीशन: पहले स्थान पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस की छात्राएं निकिता, नेहा यादव व वर्तिका रही। दूसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस एलएचसी की छात्रा नेहा व तीसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस समाजशास्त्र की छात्रा ज्योतिका रही।

विज्ञान प्रदर्शनी: ओडीएम, हिसार की छात्राएं संजू, ज्योति, शीतल व शविना रही। दूसरे स्थान पर डीपीएस, हिसार के छात्र शिवम व अभव रहे। तीसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, एचएयू के छात्र दर्शन सिंह व अतिश रहे।

पेंटिग एंड ड्राइंग कम्पटीशन: स्कूली स्तर पर प्रथम स्थान पर एमएम ब्राइट फ्यूचर स्कूल की छात्रा रितु, दूसरे स्थान पर ठाकुरदास भार्गव स्कूल की छात्रा दीक्षा व तीसरे स्थान पर गुरु जम्भेश्वर स्कूल के छात्र दीक्षित कुमार रहे। इसी प्रकार विश्वविद्यालय व महाविद्यालय स्तर पर आयोजित उपरोक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर राजकीय पीजी कॉलेज, हिसार के छात्र योगेश, दूसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस के विद्यार्थी फातिमा व तीसरे स्थान पर एचएयू की छात्रा प्रतिभा रही।

रंगोली प्रतियोगिता: स्कूली स्तर पर प्रथम स्थान जीजेएसएस, हिसार के विद्यार्थी दीक्षित व मुस्कान रहे, जबकि दूसरे स्थान पर जीजेएसएस, हिसार के विद्यार्थी दीपांशु व चाहत और तीसरे स्थान पर पूजा व दिशा रही। महाविद्यालय स्तर पर डीएन कॉलेज, हिसार के विद्यार्थी रजत सोनी व नेहा पहले स्थान पर रहे, दूसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस के छात्रा नीलकमल व प्रियंका और तीसरे स्थान पर एफसी कॉलेज की छात्रा अंशिका व निहारिका रही, जबकि सांत्वना पुरस्कार राजकीय महाविद्यालय, जींद की छात्राएं मोनिका व दिव्या मोर रही।

स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता: स्कूली स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में गुरु जम्भेश्वर स्कूल, हिसार के विद्यार्थी काव्या, डॉली व पूजा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान पर डीएन कॉलेज, हिसार के छात्र रजत सोनी, दूसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस की छात्रा गरिमा व तृतीय स्थान पर राजकीय महिला, जींद के छात्र अमन व कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस की छात्रा राजबाला रही। विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित उपरोक्त प्रतियोगिता में प्रथम व दूसरे स्थान पर माइक्रोबाइलोजी के विद्यार्थी नीलकमल व निकिता रही, जबकि तीसरे स्थान पर ज्यूलॉजी के छात्र रिशु रहे।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता: ज्यूलॉजी की छात्रा प्रियंका पहले स्थान पर रही, जबकि दूसरे स्थान पर माइक्रोबाइलोजी की छात्रा प्रियंका व तीसरे स्थान पर पर्यावरण विभाग के विद्यार्थी फतिमा व अंजू रहे।

शोषणमुक्त व क्षमतायुक्त हो भारत : सुरेश जैन

मुख्य वक्ता भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय आयोजन सचिव सुरेश जैन ने बताया कि विकसित भारत बनाने का संकल्प केवल उद्योगों, व्यापारों व प्रौद्योगिकियों का विस्तार करना नहीं है, अपितु समाज के प्रति संवेदनशीलता व ममत्व जैसे गुणों को धारण करना भी है। यदि युवाओं व नागरिकों में देश के प्रति ममत्व व संवेदनशीलता नहीं होगी तब तक वे अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत को शोषणमुक्त व क्षमतायुक्त बनाना होगा। मुख्य वक्ता ने भारत को विकसित बनाने में महिलाओं की भागीदारी को भी अहम बताया। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं बल्कि उनमें संस्कारों का होना भी जरूरी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	21.3.24	4	1-5

युवाओं में कौशल व संस्कार विकसित करने की जरूरत

एचएयू में द रोल ऑफ यूथ इन द विजन एंड मिशन ऑफ विकसित भारत पर कार्यक्रम

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। भारत को 2047 तक विकसित बनाना है तो अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को वे समस्त सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए, जिसकी उसे व उसके परिवार को जरूरत है। इसलिए युवा पीढ़ी को कौशल रूप से विकसित और राष्ट्रहित में काम करने के लिए आगे बढ़ने की आवश्यकता है। साथ ही उन्हें अच्छे संस्कारों को धारण करना चाहिए। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने रखे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में दी रोल ऑफ यूथ इन दा विजन एंड मिशन ऑफ विकसित भारत 2047 विषय पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे।

कैंपस कॉलिंग

मुख्य वक्ता भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय आयोजन सचिव सुरेश जैन ने बताया कि विकसित भारत बनाने का मकसद केवल उद्योगों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों का विस्तार करना नहीं है

एचएयू में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज सहित अन्य। स्रोत आयोजक

ये रहा प्रतियोगिताओं का परिणाम

- **प्रश्नोत्तरी :** पंकज व रेनुका भारद्वाज प्रथम, प्रेम शिवा नागा, रक्षा जैन पायल द्वितीय, पुनिता तृतीय
- **भाषण :** अन्नू रही प्रथम, प्रिंस, तनिषा द्वितीय, ख्वाइश तृतीय
- **ऑन द स्पॉट पेंटिंग:** प्रिंस प्रथम, अन्नू द्वितीय, अशिका तृतीय
- **विज्ञान प्रदर्शनी :** संजू, ज्योति, शीतल, शबीना रही प्रथम, शिवम, अभय द्वितीय, दर्शन सिंह व अतिश तृतीय
- **स्लोगन राइटिंग :** काव्या प्रथम, डॉली द्वितीय, पूजा तृतीय
- **स्लोगन राइटिंग कॉलेज स्तर :** रजत सोनी प्रथम, गरिमा द्वितिया, अमन, राजबाला तृतीय
- **पोस्टर मेकिंग :** प्रियंका प्रथम, प्रियंका द्वितीय, फतिमा व अंजू तृतीय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	21.3.24	2	4-8

'अंतिम व्यक्ति को रहने-खाने की चिंता न हो, ऐसे भारत की परिकल्पना'

• हकृवि में दी रोल आफ यूथ इन दा विजन पर कार्यक्रम आयोजित

• कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने किया शुभारंभ

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य वक्ता भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय आयोजन सचिव सुरेश जैन • पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार : भारत को 2047 तक विकसित बनाना है तो अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को वे समस्त सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिएं, जिसकी उसे व उसके परिवार को जरूरत है। इसलिए युवा पीढ़ी को कौशल रूप से विकसित और राष्ट्रहित में काम करने के लिए आगे बढ़ने की आवश्यकता है। साथ ही उन्हें अच्छे संस्कारों को धारण करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने रखे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में दी रोल आफ यूथ इन दा विजन एंड मिशन आफ विकसित भारत 2047 विषय पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय आयोजन सचिव सुरेश जैन उपस्थित रहे।

प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि भारत को 2047 तक विकसित बनाने के संकल्प को साकार करने में देश के युवाओं की विशेष भूमिका रहेगी। साथ ही उसे शैक्षणिक विकास के साथ मानसिक व अध्यात्मिक रूप से भी मजबूत बनना होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को आत्म-अवलोकन करने की आवश्यकता है।

समाज के प्रति संवेदना जरूरी

सचिव सुरेश जैन ने बताया कि विकसित भारत बनाने का मकसद केवल उद्योगों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों का विस्तार करना नहीं है अपितु समाज के प्रति संवेदनाएं व ममत्व जैसे गुणों को धारण करना भी है। यदि युवाओं व नागरिकों में देश के प्रति ममत्व व संवेदनाएं नहीं होगी तब तक वे अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर पाएंगे। इस अवसर पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. नीरज कुमार, दा एचएयू साइंस फोर्म के सचिव डा. बलजीत सिंह सहारण, मंच संचालन छात्रा सुनैना आदि मौजूद थे।

यह रहे परिणाम

• प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रथम स्थान पर राजकीय पीजी कालेज, हिसार के छात्र पंकज व रेनुका भारद्वाज, दूसरे स्थान पर कालेज आफ बेसिक साइंस माइक्रोबायलोजी के छात्र ए.प्रेमा शिवा नागा तेजा व रक्षा जैन और तीसरे स्थान पर राजकीय महिला महाविद्यालय हिसार के छात्र पायल व पुनिता रहे।

• भाषण प्रतियोगिता

पहले स्थान पर राजकीय महिला महाविद्यालय हिसार की छात्रा अन्नू रही, दूसरे स्थान पर कालेज आफ एग्रीकल्चर हिसार के छात्र प्रिंस व तनिषा और केएम कालेज, नरवाना की छात्रा खाईश तीसरे स्थान पर रही।

• आन दा स्पाट प्रतियोगिता

पहले स्थान पर कालेज आफ एग्रीकल्चर हिसार के छात्र प्रिंस रहे, जबकि दूसरे स्थान पर राजकीय महिला महाविद्यालय हिसार की छात्रा अन्नू व तीसरे स्थान पर कालेज आफ बेसिक साइंस हिसार की छात्रा अशिका रही।

• निबंध प्रतियोगिता

पहले स्थान पर डीएन कालेज हिसार के छात्र रजत सोनी रहे, दूसरे स्थान पर राजकीय महाविद्यालय जींद के छात्र सचिन व तीसरे स्थान पर कालेज आफ बेसिक साइंस की छात्रा नेहा व कालेज आफ एग्रीकल्चर के छात्र जांस टायडल रहे। इसी प्रकार स्कूली स्तर पर आयोजित उपरोक्त प्रतियोगिता में पहले स्थान पर जीजेएसएस, हिसार के छात्र दीपांशु रहे, दूसरे स्थान पर एमएम ब्राइट फ्यूचर स्कूल गोरखपुर के छात्रा भव्या व तीसरे स्थान पर एमएम ब्राइट फ्यूचर स्कूल गोरखपुर की छात्रा उर्मिला रही।

• वेस्ट टू वेल्थ माडल कम्पिटीशन

पहले स्थान पर कालेज आफ बेसिक साइंस की छात्राएं निकिता, नेहा यादव व वर्तिका रही। दूसरे स्थान पर कालेज आफ बेसिक साइंस एलएचसी की छात्रा नेहा व तीसरे स्थान पर कालेज आफ बेसिक साइंस समाजशास्त्र की छात्रा ज्योतिका रही।

• विज्ञान प्रदर्शनी

ओडीएम हिसार की छात्राएं संजू, ज्योति, शीतल व शविना रही। दूसरे स्थान पर डीपीएस हिसार के छात्र शिवम व अभय रहे। तीसरे स्थान पर कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी एचएयू के छात्र दर्शन सिंह व अतिश रहे।

• पेंटिंग एंड ड्राइंग कम्पिटीशन

स्कूली स्तर पर प्रथम स्थान पर एमएम ब्राइट फ्यूचर स्कूल की छात्रा रितू, दूसरे स्थान पर ठाकुरदास भार्गव स्कूल की छात्रा दीक्षा व तीसरे स्थान पर गुरु जम्भेश्वर स्कूल के छात्र दीक्षित कुमार रहे। विश्वविद्यालय व महाविद्यालय स्तर पर आयोजित उपरोक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर राजकीय पीजी कालेज हिसार के छात्र योगेश, दूसरे स्थान पर कालेज आफ बेसिक साइंस के विद्यार्थी फातिमा व तीसरे स्थान पर एचएयू की छात्रा प्रतिभा रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	21.3.24	3	3-6

• हकृवि में दी रोल ऑफ यूथ इन दा विजन एंड मिशन ऑफ विकसित भारत 2047 विषय पर कार्यक्रम

भारत को 2047 तक विकसित बनाने में देश के युवाओं की विशेष भूमिका रहेगी : काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

भारत को 2047 तक विकसित बनाना है तो अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को वे समस्त सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए, जिसकी उसे व उसके परिवार को जरूरत है। इसलिए युवा पीढ़ी को कौशल रूप से विकसित और राष्ट्रहित में काम करने के लिए आगे बढ़ने की आवश्यकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने रखें। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में दी रोल ऑफ यूथ इन दा विजन एंड मिशन ऑफ विकसित भारत 2047 विषय पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप मे भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय आयोजन सचिव सुरेश जैन उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि भारत को 2047 तक विकसित बनाने के संकल्प को साकार करने में देश के युवाओं की विशेष भूमिका रहेगी। इसके लिए उन्हें विचार करना होगा कि कैसे देश को विकसित बनाने में अपनी भूमिका अदा कर सकते हैं, इसी सकारात्मक सोच व सही दिशा के साथ युवाओं को सोचने व कार्य करने की जरूरत हैं। साथ ही उसे शैक्षणिक विकास के साथ मानसिक व अध्यात्मिक रूप से भी मजबूत बनना होगा। सुरेश जैन ने बताया कि युवाओं व नागरिकों में देश के प्रति ममत्व व संवेदनाएं नहीं होगी तब तक वे अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर पाएंगे।

ये रहे विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम

मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य वक्ता को गुलदस्ता भेंट करते हुए।

• **प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता :** प्रथम स्थान पर राजकीय पीजी कॉलेज, हिसार के छात्र पंकज व रेनुका भारद्वाज, दूसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस माइक्रोबायलोजी के छात्र ए प्रेमा शिवा नागा तेजा व रक्षा जैन और तीसरे स्थान पर राजकीय महिला महाविद्यालय, हिसार के छात्र पायल व पुनिता रहे।

• **भाषण प्रतियोगिता :** पहले स्थान पर राजकीय महिला महाविद्यालय, हिसार की छात्रा अन्नू रही, जबकि दूसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, हिसार के छात्र प्रिंस व तनिषा और केएम कॉलेज, नरवाना की छात्रा खवाईश तीसरे स्थान पर रही।

• **ऑन दॉ स्पॉट प्रतियोगिता :** पहले स्थान पर कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, हिसार के छात्र प्रिंस रहे, जबकि दूसरे स्थान पर राजकीय महिला महाविद्यालय, हिसार की छात्रा अन्नू व तीसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस, हिसार की छात्रा अशिका रही।

• **निबंध प्रतियोगिता :** पहले स्थान पर डीएन कॉलेज, हिसार के छात्र रजत सोनी रहे, जबकि दूसरे स्थान पर राजकीय महाविद्यालय, जींद के छात्र सचिन व तीसरे स्थान पर कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस की छात्रा नेहा व कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर के छात्र जॉन्स टायडंल रहे।

• **विज्ञान प्रदर्शनी :** ओडीएम, हिसार की छात्राएं संजू, ज्योति, शीतल व शविना प्रथम रही।

• **पेंटिंग एंड ड्राइंग कम्पटीशन :** स्कूली स्तर पर प्रथम स्थान पर एमएम ब्राइट फ्यूचर स्कूल की छात्रा रितू, दूसरे स्थान पर ठाकुरदास भार्गव स्कूल की छात्रा दीक्षा व तीसरे स्थान पर गुरु जम्भेश्वर स्कूल के छात्र दीक्षित कुमार रहे।

• **रंगोली प्रतियोगिता :** स्कूली स्तर पर प्रथम स्थान जीजेएसएस, हिसार के विद्यार्थी दीक्षित व मुस्कान रहे।

• **स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता :** गुरु जम्भेश्वर स्कूल, हिसार के विद्यार्थी काव्या, डॉली व पूजा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे।

• **पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता :** जूलॉजी की छात्रा प्रियंका पहले स्थान पर रही, जबकि दूसरे स्थान पर माइक्रोबायलोजी की छात्रा प्रियंका रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	21.3.24	5	3-6

अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को खाने व रहने की चिंता न हो, ऐसी भारत की परिकल्पना : प्रो. काम्बोज

हकृवि में दी रोल ऑफ यूथ इन दा विजन एंड मिशन ऑफ विकसित भारत 2047 विषय पर कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 20 मार्च (विरेंद्र वर्मा): भारत को 2047 तक विकसित बनाना है तो अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को वे समस्त सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए, जिसकी उसे व उसके परिवार को जरूरत है। इसलिए युवा पीढ़ी को कौशल रूप से विकसित और राष्ट्रहित में काम करने के लिए आगे बढ़ने की आवश्यकता है। साथ ही उन्हें अच्छे संस्कारों को धारण करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने रखें। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में दी रोल ऑफ यूथ इन दा विजन एंड मिशन ऑफ विकसित भारत 2047 विषय पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय आयोजन सचिव सुरेश जैन उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि भारत को 2047 तक विकसित बनाने के संकल्प को साकार करने में देश के युवाओं की विशेष भूमिका रहेगी। इसके लिए उन्हें विचार करना होगा कि मैं कैसे देश को विकसित बनाने में अपनी भूमिका अदा कर सकता हूं, इसी सकारात्मक सोच व सही दिशा के साथ युवाओं को सोचने व कार्य करने की जरूरत है। साथ ही उसे शैक्षणिक विकास के साथ मानसिक व अध्यात्मिक रूप से भी मजबूत बनना होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को आत्म-अवलोकन करने की आवश्यकता है ताकि वह देश को विकसित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद जैसे महापुरूषों के प्रेरक प्रसंगों से सीख लेते हुए अध्यात्मिक ज्ञान से जुड़कर बदलते परिपेक्ष्य में अपनी जिम्मेदारियों का निष्पक्ष रूप से निर्वहन करें। मुख्यातिथि ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे विद्यार्थियों को सम्मानित कर प्रमाण-पत्र दिए व उनका हौंसलावर्धन किया।

हकृवि में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज सहित अन्य।

शोषणमुक्त व क्षमतायुक्त हो भारत : मुख्य वक्ता सुरेश जैन

मुख्य वक्ता भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय आयोजन सचिव सुरेश जैन ने बताया कि विकसित भारत बनाने का मकसद केवल उद्योगों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों का विस्तार करना नहीं है अपितु समाज के प्रति संवेदनाएं व ममत्व जैसे गुणों को धारण करना भी है। यदि युवाओं व नागरिकों में देश के प्रति ममत्व व संवेदनाएं नहीं होगी तब तक वे अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत को शोषणमुक्त व क्षमतायुक्त बनाना होगा। मुख्य वक्ता ने भारत को विकसित बनाने में महिलाओं की भागीदारी को भी अहम बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	21.3.24	5	1-3

हकृवि कृषि मेले में करीब 67 हज़ार किसान हुए शामिल

कृषि मेले में किसान।

हिसार, 20 मार्च (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे दो दिवसीय कृषि मेला खरीफ -2024 में अंतिम दिन भी किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। मेले में दोनों दिन हरियाणा सहित दिल्ली, पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों से करीब 67 हजार किसान शामिल हुए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के अनुसार मेले में किसानों ने करीब 42.26 लाख रुपये के खरीफ फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा करीब 78 हजार 100 रुपए के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदें। उल्लेखनीय है कि किसानों को आगामी खरीफ मौसम की फसलों व सब्जियों के बीज तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की थी। बीज के अलावा किसानों ने 8900 रुपए के जैव उर्वरक तथा 20 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए जा रहे हैं तथा उन्हें जैविक व प्राकृतिक खेती, खेती में प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने व फसल लागत कम करने संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही है।

इस अवसर पर किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया और उन्होंने कुल 273 नमूने टैस्ट करवाए। संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में लगाई गई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही। इस प्रदर्शनी में कुल 248 स्टॉलें लगाए गए है। इन स्टॉलों पर विश्वविद्यालय तथा गैरसरकारी एजेंसियों व मल्टीनैशनल कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी, मशीनें, यन्त्र आदि प्रदर्शित किए गए हैं, जिन पर किसानों की भारी भीड़ रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	21.3.24		

दैनिक भास्कर

भास्कर खास • हकृवि अधिकारियों ने किसानों को हरे चारे की कमी को पूरा करने के तरीके बताए

मई-जून में होती है चारे की कमी, साइलेज बना करें संरक्षित

भास्कर न्यूज | हिसार

पशुपालन को लाभदायक बनाने के लिए यह जरूरी है कि पशुओं को पूरे वर्ष पौष्टिक व संतुलित मात्रा में चारा मिलता रहे। मई-जून में होने वाली हरे चारे की कमी को साइलेज बनाकर पूरा किया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि किसान हरे चारे की कमी के समय पशु को इसका आचार खिलाकर इसकी पूर्ति कर सकते हैं। इससे पशुपालन में आहार पर होने वाला खर्च भी कम होगा। किसान इस विधि को अपनाकर लाभ ले सकते हैं।

हरे चारे का साइलेज

ऐसे बनाया जाता है साइलेज

चारा विशेषज्ञ डॉ. सतपाल ने बताया कि हरे चारे को फूल आने पर काट लेना चाहिए। चारे की कुट्टी कर लें। चारे में शुष्क पदार्थ 30 से 40 प्रतिशत तक अवश्य होना चाहिए। अधिक सूखे चारे का साइलेज बंध नहीं पाता और फफूंदी लग जाती है। पानी की मात्रा भी अधिक न हो। 10 फीट लंबे, 5 फीट चौड़े व 6 फीट गहे गड्ढे में 50 क्विंटल हरे चारे का साइलेज बनाया जा सकता है।

साइलेज के लिए उपयुक्त हरे चारे का करें चयन

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि अधिक गर्मी व अधिक सर्दी के महीनों में हरे-चारे की कमी हो जाती है। गर्मी में हरा चारा ज्वार, मक्का, बाजरा और रबी के मौसम में जई है। कई बार इन चारों की मात्रा अधिक होती है, जिसको उच्च नमी वाले वायु रहित वातावरण में परिरक्षित करके आचार बनाया जा सकता है, जिसे साइलेज कहते हैं। परिरक्षित चारे का उपयोग उन महीनों में किया जा सकता है जब हरा-चारा उपलब्ध न हो।

दीवारों को मिट्टी से लीपें

साइलेज बनाने वाले कच्चे गड्ढे को भरने से पहले उसकी दीवार व धरातल को गोबर या मिट्टी से लीप लें। गेहूं का भूसा चारों तरफ व धरातल पर लगाएं। चारा परतों में भरें व प्रत्येक परत को अच्छी तरह दबाना चाहिए ताकि हवा बाहर निकल जाए। ऊपर के भाग में विशेषकर दीवारों के आसपास, साइलेज बनाने की सामग्री को दबा दें। गड्ढे को दो-तीन फीट ऊंचा भरना चाहिए। साइलेज को हवा से बचाने के लिए गड्ढा भरने के तुरंत बाद मिट्टी व गोबर से 5-6 इंच तक मोटी परत चढ़ा दें। साइलेज 45 से 50 दिनों में बनकर तैयार हो जाता है। हरे चारे की कमी के दिनों में इस उत्तम पौष्टिकता वाले साइलेज का प्रयोग किया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	20.03.2024	--	--

अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को खाने व रहने की चिंता न हो, ऐसी भारत की परिकल्पना : प्रो. बी.आर. काम्बोज

दी रोल ऑफ यूथ इन दा विजन एंड मिशन ऑफ विकसित भारत 2047 विषय पर कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	20.03.2024	--	--

ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से कृषि को बनाया जा सकता है सुगम : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार (चिराग टाइम्स)

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) आज संपन्न हुआ। मेले के अंतिम दिन भी काफी संख्या में किसान विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में, नई तकनीकें, प्रौद्योगिकियों को जानने के लिए पहुंचे। मेले में मुख्य तौर पर किसानों ने विभिन्न स्टॉलों पर तकनीकी जानकारी ली, उन्नत किस्मों के बीज खरीदे। साथ ही प्रश्नोत्तरी सत्र में किसान-वैज्ञानिकों के संवाद के अलावा विशेष तौर पर खेती में ड्रोन तकनीक के महत्व पर चर्चा की गई। मेले में दोनों दिन हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों से करीब 67360 किसान शामिल हुए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि ड्रोन तकनीक समय, श्रम व संसाधनों को बचत करने वाली एक आधुनिक तकनीक है, जो कृषि लागत को कम करने में व फसल उत्पादन बढ़ाने में सहायक है। ड्रोन का उपयोग अपनी फसलों के बारे में नियमित जानकारी प्राप्त करने और अधिक प्रभावी कृषि तकनीकों के विकास में सहायक है। बदलते मौसम की स्थिति में भी ड्रोन तकनीक का कुशलता से प्रयोग कर सकते हैं। दुर्गम इलाकों में तथा असमतल भूमि में कीटनाशक, उर्वरकों व खरपतवार नाशक के छिड़काव में भी सहायक है। खरपतवार पहचान एवं प्रबंधन में ड्रोन तकनीक सबसे महत्वपूर्ण है। ड्रोन के माध्यम से किए गए सर्वेक्षण पारम्परिक सर्वेक्षण की तुलना में दस गुणा तेज व अधिक सटीक होते हैं। ड्रोन का उपयोग करके मिट्टी व खेत का विश्लेषण भी किया जा सकता है। कीट व बीमारियों से लड़ने के लिए बड़े स्तर पर ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। मल्टी स्पेक्ट्रल इमेजरी सिस्टम से लैस ड्रोन द्वारा कीड़ों, टिड्डियों व सैनिक कीट के आक्रमण का पता लगते ही समय पर कृषि रसायनों का छिड़काव करने से फसल के नुकसान को बहुत ही कम किया जा सकता है। प्रिसिजन फार्मिंग, जेनेटिक इंजीनियरिंग से लेकर जलवायु-स्मार्ट कृषि तथा कृषि से जुड़े अन्य डिजिटल तकनीक को सही तरीके से क्रियान्वित करने के लिए ड्रोन तकनीक बहुत ही सहायक सिद्ध होगी ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	20.03.2024	--	--

ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से कृषि को बनाया जा सकता है सुगम : प्रो. काम्बोज

हकृवि के दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) का समापन

[illegible]

हकृवि कृषि मेले में करीब 67 हजार किसान हुए शामिल

[illegible]